

प्रेषक,

एल.एन.पन्त,  
अपर सचिव, वित्त  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून:: दिनांक: 24 जुलाई, 2015

**विषय:- 14वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 की प्रथम किश्त हेतु ग्राम पंचायतों को धनराशि का संकमण।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 14वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के अनुक्रम में प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2015-16 की प्रथम किश्त के लिए कुल धनराशि ₹1016300000.00 (एक सौ एक करोड़ तिरसठ लाख मात्र) को संलग्नानुसार निम्नलिखित शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय आवंटन की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 2- संक्रमित की जा रही धनराशि वेतन एवं भत्तों आदि पर व्यय नहीं की जा सकेगी।
- 3- 14वाँ वित्त आयोग द्वारा संस्तुत की गई धनराशि से निम्न कार्य कराये जा सकते हैं:-  
(1) जल आपूर्ति (2) सीवरेज तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (3) सेप्टेज प्रबंधन सहित स्वच्छता (4) जल निकासी (5) सामुदायिक परिसम्पत्तियों का रख-रखाव (6) सड़कों, फुटपाथों, स्ट्रीटलाइट तथा कब्रिस्तानों एवं शमशान घाटों का रखरखाव।
- 4- यह धनराशि निदेशक, पंचायती राज के पत्रांक सं0-667/3-पं./ग्रा.पं./2014-15 दिनांक 01-08-2014 एवं पत्र संख्या-752/3-पं./ग्रा.पं./2014-15 दिनांक 21-08-2014 द्वारा जनगणना 2011 की जनसंख्या के आंकड़ों व उसके साथ पंचायतों द्वारा उपलब्ध कराये गये क्षेत्रफल के आधार पर तृतीय राज्य वित्त आयोग द्वारा निर्धारित फार्मूले के अनुसार पुनः आगणन कर उपलब्ध करायी जा रही है। अवमुक्त की जा रही धनराशि की तुलना पूर्व में अवमुक्त धनराशि/किश्तों से नहीं किया जायेगा।
- 5- ग्राम पंचायतों को संक्रमित की गई धनराशि कौषागार से आहरण करने हेतु बिल जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा तैयार किए जाएंगे जिसे जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जाएगा।
- 6- जिला पंचायत राज अधिकारी प्रत्येक स्थिति में दस दिन के अन्दर सम्बंधित ग्राम पंचायत को धनराशि बैंक/ड्राफ्ट इलेक्ट्रानिक ट्रान्सफर के माध्यम से प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगे। विलम्ब होने पर देरी की अवधि का ब्याज सम्बंधित निकाय को किया जायेगा इसके लिए सम्बंधित जिला पंचायतीराज अधिकारी स्वयं व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- अवमुक्त धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र पंचायत राज अधिकारी सम्बंधित जिलाधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर कराकर महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा सचिव, पंचायती राज, उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायेंगे। समय से उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त न होने पर भारत सरकार द्वारा अगली किश्त की धनराशि



अवमुक्त नहीं की जायेगी। यदि उपयोगिता प्रमाण-पत्र के विलम्ब के कारण कोई धनराशि लैप्स होती है तो उसके लिये जिला पंचायत राज अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

- 8- संक्रमित धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर ही अगली किश्त भारत सरकार द्वारा अवमुक्त की जायेगी। जिला पंचायत राज अधिकारी उपयोगिता प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर कराकर दिनांक 31 अक्टूबर, 2015 तक उपलब्ध करायेंगे।
- 9- संक्रमित धनराशि का उपयोग केवल उसी कार्य हेतु किया जायेगा जिस कार्य के लिए धनराशि आवंटित की गई है। इसमें किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।
- 10-संक्रमित धनराशि के समुचित उपयोग के लिए विभागीय अधिकारी /मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी,जैसी भी स्थिति हो उत्तरदायी होंगे।
- 11-संक्रमित की जा रही धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 3604-स्थानीय निकाय तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेतर-02-पंचायती राज संस्थायें-198-ग्राम पंचायतें-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0103-केन्द्रीय वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

**संलग्नक:-यथोक्त।**

भवदीय,

०८ (एल.एन. पन्त)  
अपर सचिव, वित्त।

संख्या 319/XXVII (1)/2015, तददिनांक:- 24/7

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- सचिव, पंचायती राज, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमाँऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3- महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 4- निदेशक वित्त आयोग निदेशालय उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, कोषागार एवं लेखा हकदारी, 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
- 6- निदेशक, पंचायती राज, उत्तराखण्ड-देहरादून।
- 7- निदेशक, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय व्यय विभाग, वित्त आयोग प्रभाग, ब्लाक 11, पंचम तल सी0जी0ओ0 कोम्पलेक्स नई दिल्ली।
- 8- समस्त मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 10- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

(एल.एन. पन्त)  
०८ अपर सचिव, वित्त।



शासनादेश संख्या: 719/XXVII (1)/2015 दिनांक: 24 जुलाई, 2015 का संलग्नक।

14वाँ वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर ग्राम पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2015-16 में प्रथम किश्त हेतु देय धनराशि का विवरण।

(धनराशि हजार ₹ में)

जनपद का नाम	क्र.सं.	क्षेत्र पंचायत का नाम	ग्राम पंचायतों की संख्या	जनगणना 2011 व पंचायतों से प्राप्त नये क्षेत्रफल के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 की देय प्रथम किश्त
1	2	3	4	5
1-अल्मोड़ा	1	स्याल्दे	94	7585
	2	ताकुला	103	7048
	3	धौलादेवी	110	9791
	4	भैसियाछाना	53	4270
	5	हवालबाग	127	10976
	6	लमगड़ा	103	8545
	7	द्वाराहाट	122	9761
	8	सल्ट	138	9964
	9	भिक्यासैण	101	6285
	10	ताड़ीखेत	130	10521
	11	चौखुटिया	101	7657
		योग:-	1182	92403
2-बागेश्वर	1	कपकोट	118	12606
	2	गरुड	106	9778
	3	बागेश्वर	192	15307
		योग:-	416	37691
3-चमोली	1	कर्णप्रयाग	96	6624
	2	जोशीमठ	58	6099
	3	दशोली	68	6024
	4	घाट	54	5672
	5	पोखरी	72	5058
	6	गैरसैण	93	8372
	7	थराली	44	4264
	8	देवाल	45	3824
	9	नारायणबगड	85	5798
		योग:-	615	51735
4-चम्पावत	1	लोहाघाट	67	6676
	2	बाराकोट	48	4336
	3	पाटी	85	8236
	4	चम्पावत	113	14214
		योग:-	313	33462
5-देहरादून	1	डोईवाला	54	29022
	2	रायपुर	64	20287
	3	सहसपुर	60	22621
	4	विकासनगर	55	20395
	5	चकराता	116	9812



जनपद का नाम	क्र.सं.	क्षेत्र पंचायत का नाम	ग्राम पंचायतों की संख्या	जनगणना 2011 व पंचायतों से प्राप्त नये क्षेत्रफल के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 की देय प्रथम किश्त
1	2	3	4	5
	6	कालसी	111	8646
		<b>योग:-</b>	<b>460</b>	<b>110783</b>
6-हरिद्वार	1	भगवानपुर	53	25528
	2	खानपुर	23	6987
	3	रुड़की	59	35029
	4	नारसन	59	30014
	5	लक्सर	49	21112
	6	बहादुराबाद	69	40771
		<b>योग:-</b>	<b>312</b>	<b>159441</b>
7-नैनीताल	1	ओखलकाण्डा	79	7377
	2	भीमताल	65	7331
	3	बेतालघाट	77	6385
	4	हल्द्वानी	84	25635
	5	रामनगर	53	10355
	6	रामगढ़	60	5956
	7	कोटाबाग	56	8658
	8	धारी	37	4253
		<b>योग:-</b>	<b>511</b>	<b>75950</b>
8-पौड़ी	1	बीरोंखाल	102	7075
	2	द्वारीखाल	97	6953
	3	दुगडडा	102	17040
	4	एकेश्वर	82	5034
	5	जयहरीखाल	73	5012
	6	कल्जीखाल	87	5622
	7	खिर्सू	43	3960
	8	कोट	69	4665
	9	नैनीडाडा	88	6230
	10	रिखणीखाल	81	5466
	11	थलीसैण	107	8992
	12	यमकेश्वर	86	7089
	13	पौड़ी	63	4693
	14	पावौ	74	5532
	15	पोखड़ा	58	3872
		<b>योग:-</b>	<b>1212</b>	<b>97235</b>
9-पिथौरागढ़	1	गंगोलीहाट	117	10312
	2	मूनाकोट	76	7507
	3	कनालीछीना	92	7298
	4	धारचूला	62	8645
	5	पिथौरागढ़	91	9369
	6	डीडीहाट	71	5839
	7	मुनस्यारी	97	8836
	8	बेरीनाग	84	6837



जनपद का नाम	क्र.सं.	क्षेत्र पंचायत का नाम	ग्राम पंचायतों की संख्या	जनगणना 2011 व पंचायतों से प्राप्त नये क्षेत्रफल के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 की देय प्रथम किश्त
1	2	3	4	5
		योग:-	690	64643
10-रुद्रप्रयाग	1	अगस्त्यमुनि	161	14719
	2	जखोली	108	10437
	3	ऊखीमठ	70	6775
		योग:-	339	31931
11-टिहरी	1	नरेन्द्रनगर	117	9805
	2	कीर्तिनगर	84	6929
	3	चम्बा	104	7886
	4	देवप्रयाग	116	8424
	5	भिलगना	186	15664
	6	थौलधार	93	6814
	7	जौनपुर	146	11200
	8	प्रतापनगर	100	8961
	9	जाखणीधार	92	7373
		योग:-	1038	83056
12-ऊधमसिंह नगर	1	खटीमा	66	24821
	2	सितारगंज	74	22622
	3	रुद्रपुर	54	20689
	4	गदरपुर	50	16857
	5	बाजपुर	57	17495
	6	काशीपुर	39	16302
	7	जसपुर	51	15322
		योग:-	391	134108
13-उत्तरकाशी	1	भटवाडी	83	8336
	2	डुण्डा	99	8769
	3	चिन्यालीसैण	81	6401
	4	नौगांव	130	10514
	5	पुरोला	43	3982
	6	मोरी	68	5860
		योग:-	504	43862
		महायोग:-	7983	1016300

( ₹ एक सौ एक करोड़ तिरसठ लाख मात्र)

4  
o/c (एल.एन. पन्त)  
अपर सचिव, वित्त।